



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 202]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 16, 1977/ वैशाख 26, 1899

No 202]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 16, 1977/VAISAKHA 26, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 16th May 1977

S.O 337(E).—Whereas Messrs Khardah Company Limited, 7, Wellesely Place, Calcutta, in the State of West Bengal, (hereinafter referred to as the said industrial undertaking), is engaged in a scheduled industry, namely, Jute Industry,

And whereas from the documentary and other evidence in its possession, the Central Government is satisfied, in relation to the said industrial undertaking, that it has been closed for a period of not less than three months and such closure is prejudicial to the concerned scheduled industry and that the financial condition of the company owning the industrial undertaking and the condition of the plant and machinery of such undertaking are such that it is possible to re-start the undertaking and such re-starting is necessary in the interest of the general public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, 19, Netaji Subhas Road, Calcutta (hereinafter

(1927)

referred to as the "authorised person"), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, Messrs Khardah Company Limited, on the following terms and conditions, namely,—

- 1 The "authorised person" shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government
- 2 The 'authorised person' shall hold office for a period of five years from the date of publication of this order in the Official Gazette
- 3 The Central Government may terminate the appointment of the "authorised person" earlier if it considers necessary to do so

This order shall have effect for a period of five years from the date of its publication in the Official Gazette

[No. F. 3/3/74-CUC]

A. K. GHOSH, Addl Secy

उद्योग संचालय (औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 मई 1977

का० अम० 337(अ).—पश्चिमी बंगाल राज्य में मेसर्स खारदाह कम्पनी लिमिटेड, 7, वेलेज़ली प्लेस, कलकत्ता (जिसे इसमें आगे उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) अनुसूचित उद्योग अर्थात् जूट उद्योग में बना हुआ है , -

और उक्त औद्योगिक उपक्रम की बाबत, केन्द्रीय सरकार का अपने कब्जे में के दस्तावेजी और अन्य साक्ष्य से यह समाधान हो गया है कि वह कम से कम तीन मास से (उक्त औद्योगिक उपक्रम पर स्वामित्व रखने वाली कम्पनी के स्वतः समापन के कारण या किसी अन्य कारण से) बन्द पड़ा है और उसके इस प्रकार बन्द पड़े रहने से सम्बन्ध अनुसूचित उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और यह कि उक्त औद्योगिक उपक्रम पर स्वामित्व रखने वाली कम्पनी की वित्तीय स्थिति और प्लांट और उक्त उपक्रम की मशीनरी की स्थिति ऐसी है कि उपक्रम को पुनः प्रारम्भ करना संभव है और इस प्रकार पुनः चलाना सामान्य लोक हित में आवश्यक है ,

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इन्डस्ट्रियल रिकन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन आठ इण्डिया, लिमिटेड, 19, नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता, 700001 को (जिसे इसमें आगे 'प्राधिकृत व्यक्ति' कहा गया है) सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम अर्थात् मेसर्स खारदाह कम्पनी लिमिटेड, का प्रबन्ध निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों पर ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात्

1. 'प्राधिकृत व्यक्ति' केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए सभी निर्देशों का पालन करेगी ,

2. 'प्राधिकृत व्यक्ति' इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पाच वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगी ;
- 3 केन्द्रीय सरकार 'प्राधिकृत व्यक्ति' की नियुक्ति इससे पूर्व भी समाप्त कर सकेगी यदि ऐसा करना वह आवश्यक समझे ।

यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पाच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा ।

[सं. फा० 3(3) 74-सी० यू० सी०]

अ० कु० घोष, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

